## नकः स्वस्थानमासास्य गर्नेन्द्रमपि कर्षति । स एव प्रच्युतः स्थानाच्छुनापि परिभूपते ॥ १३५१ ॥

Ein Krokodil zieht, wenn es in seinem Gebiet ist, sogar einen mächtigen Elephanten mit sich fort; ist es aber von seinem Gebiet entfernt, so wird es sogar von einem Hunde überwältigt.

## वार्वे प्रवास विकास स्वास्त्र प्राप्त विकास स्वास्त्र । प्रविचित्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त विकास स्वास्य सूचित्र । प्रविचित्र प्रवास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्व

Der Nakshatra Schmuck ist der Mond, der Frauen Schmuck der Gatte, der Erde Schmuck der König, die Wissenschaft ist ein Schmuck für Jedermann.

## मिनींत नोह नोनीन न तुधा पीडाते यस्तु निह्नया निह्न कि कि चित्। ..... opollo nello miss guild न च शीतातपायिश्च स भृत्या उर्का महीभूजाम् ॥ १३६१ ॥ मह वर्षाया कि

Wer nicht von Hunger, niemals auch von Schläfrigkeit, auch nicht von Kälte und Hitze sich quälen lässt, der ist ein der Fürsten würdiger Diener.

#### ार्ण ,वार्वास्ताय कर्ण निविनां च नदीनां च मृङ्गियां शस्त्रपाणिनाम् । १ विश्वावीकशक्ष अविश्वामा नैव कर्तव्यः स्त्रीय् राजनुलेषु च ॥ १३६३ ॥

Thieren mit Krallen, Flüssen, Thieren mit Hörnern und Männern mit Waffen in der Hand soll man nicht trauen, eben so wenig Weibern und den Höfen der Könige.

### न गजाना सक्स्रेण न लत्तेण च वाजिनाम्।

तथा सिध्यति कार्याणि यथा डुर्गप्रभावतः ॥ ५३६३ ॥

Nicht durch tausend Elephanten, nicht durch hunderttausend Rosse gelingen die Sachen so wie durch eine Festung.

# न गणस्यायता गर्व्हेत्सिङ्क कार्ये समं फलम् । कार्यकार विकास स्थानम् । विकास स्थानम् विकास सम्बन्धित समित्र समि

Man gehe nicht an der Spitze eines Haufens: gelingt die Sache, so ist der Lohn für Alle gleich; misslingt sie, so wird der Rädelsführer am Leben bestraft.

1359) Pańkat. III, 43. Vgl. Spr. 76.

1360) Kan. 8 bei Haeb. 312.

(1361) Pankar. I, 102.

1362) Kāṇ. 27 bei Habb. 314 und im ÇKDR. unter नाली und विश्वास: Pańkat. ed. orn. 1, 53. Hit. 1, 17. Vikramak. 50. 98. Uśćval. zu Uṇāpis. 4, 138. Galan. Varr. 26. a. b. न्दीनां शस्त्रपाणीनां निल्नां श्रृङ्गणां तथामार., न्दीनां च नलीनां (wird auf निल् zurückgeführt) च श्रीणां (lies ग्रंः श्रीणां Vikra-

мак.)शस्त्रपाणिनां (शास्त्र Vіввамак.) U 66 val. Vіввамак. b. शस्त्रधारिणाम् Райкат. c. कर्नट्यं; नापगल्लट्यः st. नैव कर्त्व्यः Райкат. Vіввамак. (aber nur das eine Mal).

1363) Рамкат, I, 259. ed. orn. 196. Çanse. Рарон. b. न च लत्तेषा वा ्. c. d. तत् (यत्) कृत्यं साध्यते राज्ञां डुर्गेणैकेन यद्भवेत् (सि-ध्यति) Рамкат.

o 1364) Hit. 1, 25. Çârne. Paddu. c. कार्प.